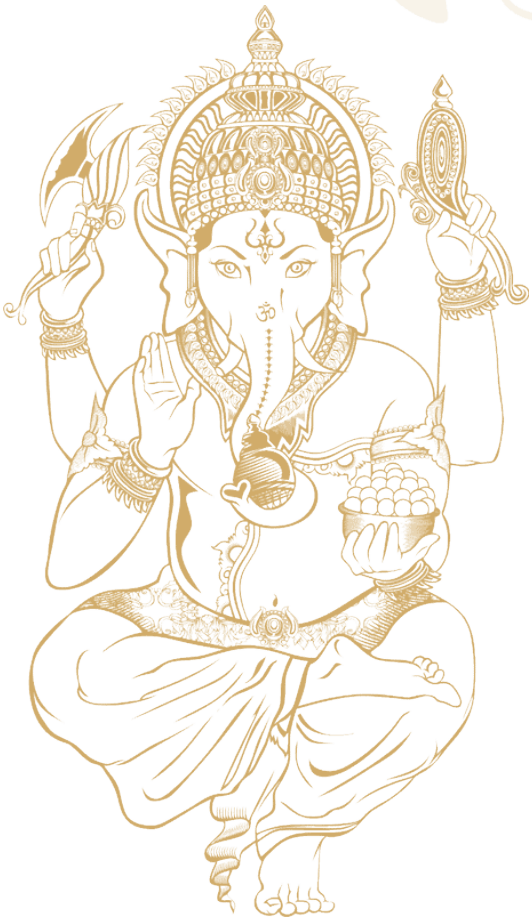

Mr.Rajat

Ms.Anushka

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120655901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120655901 Date: 22/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/11/1996	जन्म तिथि	11/07/2000
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	13:50:00 घंटे
घटी 01:19:19	जन्म समय(घटी)	20:57:42 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Kolkata
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	22:34:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	88:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:16	सूर्योदय	04:59:25
17:30:58	सूर्यास्त	18:24:33
23:48:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:37
तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
सिंह	राशि	तुला
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
मघा	नक्षत्र	विशाखा
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	3
ब्रह्म	योग	शुभ
वणिज	करण	वणिज
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 9मा 4दि		24:56:13	तुला	लग्न	तुला	24:07:01	गुरु 6वर्ष 2मा 13दि	
चन्द्र		19:06:34	तुला	सूर्य	मिथु	25:28:26	बुध	
11/08/2025		08:04:13	सिंह	चंद्र	तुला	28:09:47	24/09/2025	
11/08/2035		09:21:39	सिंह	मंगल	मिथु	22:37:47	24/09/2042	
चन्द्र	11/06/2026	21:00:20	तुला	बुध व	मिथु	18:05:31	बुध	21/02/2028
मंगल	10/01/2027	19:39:19	धनु	गुरु	वृष	08:22:21	केतु	17/02/2029
राहु	11/07/2028	14:08:35	कन्या	शुक्र	कर्क	03:41:47	शुक्र	19/12/2031
गुरु	10/11/2029	07:29:53	मीन व	शनि	वृष	03:49:43	सूर्य	24/10/2032
शनि	11/06/2031	13:42:05	कन्या	राहु व	कर्क	00:46:46	चन्द्र	26/03/2034
बुध	10/11/2032	13:42:05	मीन	केतु व	मक	00:46:46	मंगल	23/03/2035
केतु	11/06/2033	07:07:01	मक	हर्ष व	मक	26:08:21	राहु	09/10/2037
शुक्र	09/02/2035	01:24:16	मक	नेप व	मक	11:45:40	गुरु	15/01/2040
सूर्य	11/08/2035	08:24:14	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:42:38	शनि	24/09/2042

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:37

लग्न-चलित

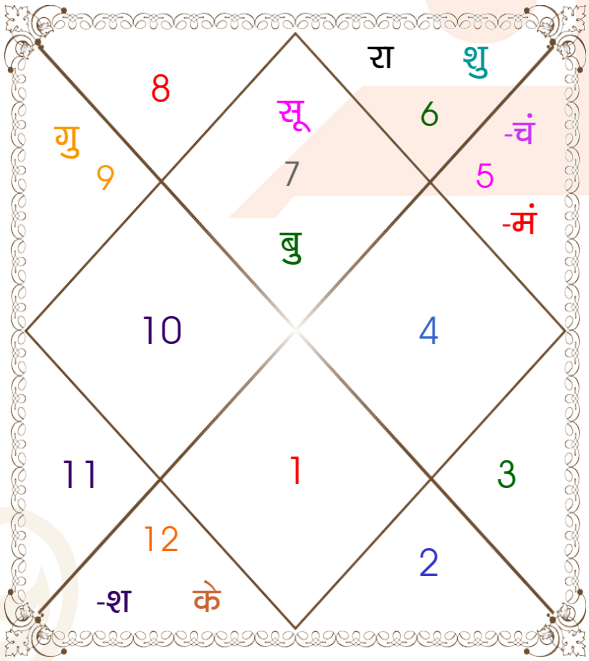

लग्न-चलित

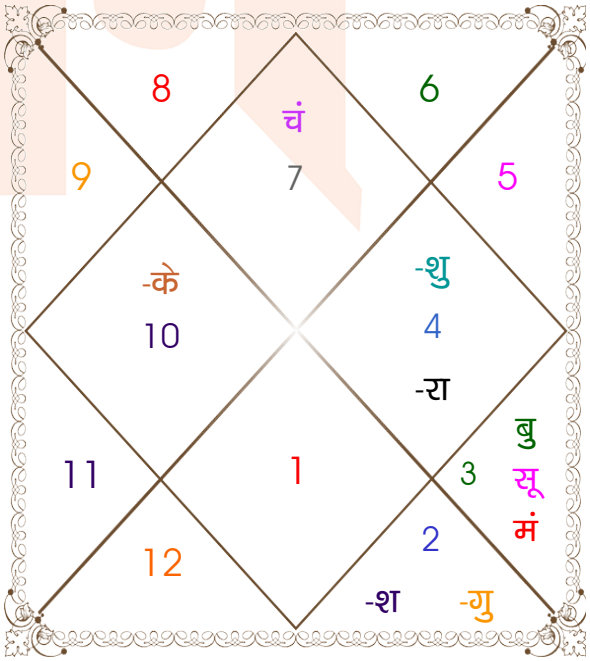

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

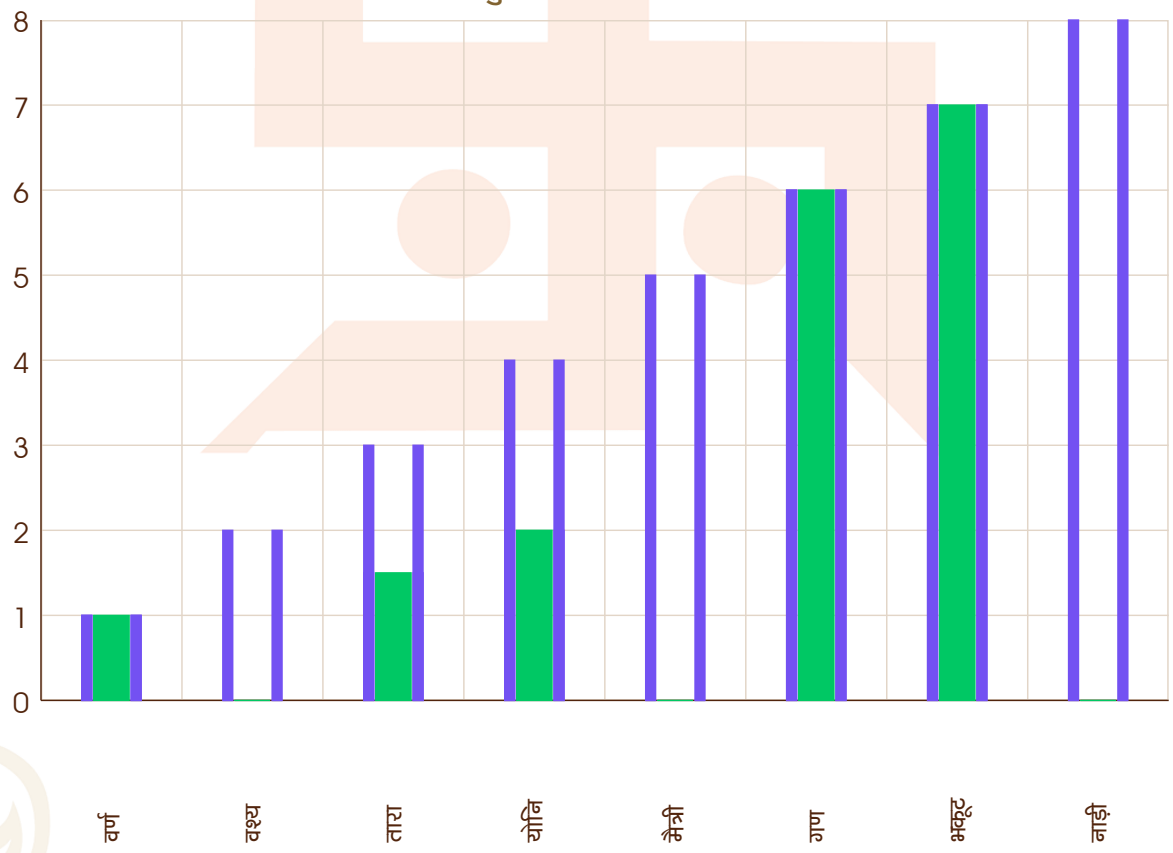

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.Rajat का वर्ग मूषक है तथा डेण ।दनेीं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Rajat और डेण ।दनेीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Rajat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण ।दनेीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr.Rajat तथा डेण ।दनेीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्दनेीं का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से डेण्दनेीं वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Mr.Rajat से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Mr.Rajat का वश्य वनचर है एवं डेण्दनेीं का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। Mr.Rajat और डेण्दनेीं के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

Mr.Rajat की तारा क्षेम तथा डेण्दनेीं की तारा वध है। डेण्दनेीं की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.Rajat एवं डेण्दनेीं दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। डेण्दनेीं अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.Rajat की योनि मूषक है तथा डेण्दनेीं की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी

रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Rajat एवं डेण्दनीं दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.Rajat एवं डेण्दनीं के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Mr.Rajat दवं डेण्दनीं को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Mr.Rajat का गण राक्षस है तथा डेण्दनीं का गण भी राक्षस है। अर्थात डेण्दनीं का गण Mr.Rajat के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Mr.Rajat एवं डेण्दनीं दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Mr.Rajat से डेण्दनीं की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा डेण्दनीं से Mr.Rajat की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Rajat अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर

डेण ।दनेीं सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Mr.Rajat की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण ।दनेीं की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Rajat एवं डेण ।दनेीं की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Rajat की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा डेण्दनीं की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं वायुतत्व में समानता पाई जाती है। अतः Mr.Rajat और डेण्दनीं के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेगी परन्तु समय समय पर मतभेद एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। अतः मिलान मध्यम रहेगा।

Mr.Rajat की राशि का स्वामी सूर्य तथा डेण्दनीं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रुभाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से Mr.Rajat और डेण्दनीं के मध्य परस्पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः परस्पर संबधों में कटुता तथा तनाव रहेगा एवं एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Rajat की तेजस्वी प्रवृति से भी यदा कदा अशांति उत्पन्न होगी।

Mr.Rajat और डेण्दनीं की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा यत्नपूर्वक परस्पर सामंजस्य स्थापित करके एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए उद्यत रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आकर्षण स्नेह एवं समर्पण के भाव में भी वृद्धि होगी। Mr.Rajat और डेण्दनीं की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन में सफल रहेंगे।

Mr.Rajat का वश्य वनचर तथा डेण्दनीं का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता विद्यमान रहती है अतः Mr.Rajat और डेण्दनीं की अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं असमान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे।

Mr.Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्दनीं का वर्ण शूद्र है। अतः Mr.Rajat पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे। डेण्दनीं की प्रवृति किसी भी कार्य को बिना किसी वरीयता के परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी । फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे ।

धन

Mr.Rajat और डेण्दनीं की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.Rajat और डेण्दनीं की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

डेण ।दनेीं एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Rajat तथा डेण ।दनेीं दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे डेण ।दनेीं को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त डेण ।दनेीं को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Rajat और डेण ।दनेीं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Rajat और डेण ।दनेीं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण ।दनेीं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण ।दनेीं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण ।दनेीं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Rajat और डेण ।दनेीं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Rajat और डेण ।दनेीं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्।दनोंी के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि डेण्।दनोंी धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से डेण्।दनोंी के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी डेण्।दनोंी का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी डेण्।दनोंी से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.Rajat की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr.Rajat सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr.Rajat का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr.Rajat के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr.Rajat भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.Rajat के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।